भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **1111** जिसका उत्तर
शुक्रवार, 25 जुलाई, 2025/3 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाना है

पोत संबंधी दुर्घटनाएं

†1111. श्री बैनी बेहनन :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को केरल के अपतटीय क्षेत्रों में हाल ही में हुई जहाज या पोत संबंधी दुर्घटनाओं की जानकारी है;

(ख) यदि हाँ, तो गत एक वर्ष के दौरान रिपोर्ट की गई ऐसी घटनाओं का ब्यौरा क्या है, जिनमें उनकी दुर्घटना की तिथि, स्थान, प्रकृति और इससे हुई जान-माल की हानि या पर्यावरणीय क्षति का ब्यौरा प्रदान किया गया हो;

(ग) समुद्री पारिस्थितिकी, तटीय समुदायों और मछली पकड़ने की गतिविधियों पर उक्त दुर्घटनाओं के प्रभाव का आकलन करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) क्या प्रभावित व्यक्तियों, परिवारों या समुदायों को कोई मुआवजा या राहत प्रदान की गई है और यदि हाँ, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार ने उक्त अपतटीय दुर्घटनाओं के कारणों और परिणामों और भविष्य में उनकी पुनरावृत्ति को रोकने के लिए कोई जाँच या अध्ययन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) से (ङ): जी, हां। सरकार को केरल के तटीय क्षेत्र में हाल ही में हुई पोत या जलयान संबंधी दुर्घटनाओं की जानकारी है। पिछले एक वर्ष के दौरान, विशेष रूप से भारतीय अनन्य आर्थिक ज़ोन (इंडियन एक्सक्लूजिव इकनॉमिक जोन) के भीतर केरल के तट पर पोत या जलयान से संबंधित निम्नलिखित घटनाएं रिपोर्ट की गईं।

1. 13 मई, 2024 - सागर युवराज (कार्गो जलयान, भारत):

स्थान: केरल तट (10°33.800 उत्तर, 075°48.640 पूर्व)

घटना: एक लकड़ी की फिशिंग बोट से टक्कर

टिप्पणी: बचाव कार्य शुरू; चार लोगों को बचाकर बाहर निकाला गया, जबकि दो अन्य की लापता की रिपोर्ट प्राप्त हुई।

2. 24 मई, 2025- एमएससी ईएलएसए 3 (कंटेनर पोत, लाइबेरिया)

स्थान: 09 30.1' उत्तर, 075°46.638' पूर्व (आलप्पुझा, केरल तट से 13 समुद्री मील दूर)

घटना: पोत का झुकना और फिर डूबना। चालक दल के सभी 26 सदस्यों को बचा लिया गया। कोई जान नहीं गई।

परिणाम: जलयान लगभग 643 कंटेनर ले जा रहा था, जिसमें 13 कंटेनर ऐसे थे जिनमें इंटरनेशनल मेरीटाइम डेंजरस गूड्स (आईएमडीजी) कोड के अंतर्गत वर्गीकृत जोखिमकारी सामग्री थी, साथ ही 367 टन भारी ईंधन तेल (एचएफओ) और 64 टन डीजल तेल भी था।

पर्यावरणीय क्षति को रोकने के लिए की गई कार्रवाई: घटना के कारणों का पता लगाने के लिए, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के नौवहन महानिदेशालय के अंतर्गत एक फील्ड कार्यालय, वाणिज्य समुद्री विभाग (एमएमडी), कोच्चि द्वारा वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 के अंतर्गत एक सांविधिक प्रारंभिक जाँच की जा रही है। वर्तमान में प्रारंभिक जाँच की जा रही हैं।

3. 09 जून 2025 – डब्ल्यूएएन एचएआई 503 (कंटेनर पोत, सिंगापुर):

स्थान: अझिक्कल, केरल तट से 44 समुद्री मील दूर

घटना: विस्फोट के कारण कंटेनर में आग लगी

टिप्पणी: चार विदेशी नागरिक चालकदल के सदस्य लापता; आग लगने के कारण जलयान भटक गया और धुआँ निकलने लगा; जलयान को गंभीर क्षति हुई है; जलयान को भारतीय ईईजेड से दूर ले जाकर पर्यावरणीय जोखिम को टाला गया है। जलयान को भारत के बाहर शरणस्थल पत्तन तक ले जाने के लिए बचाव कार्य किया जा रहा है।

4. 12 जून 2025 - *इंटरएशिया टेनेसिटी* (कंटेनर पोत, सिंगापुर):

स्थान: कोच्चि, केरल तट से 50 समुद्री मील दूर (10°03.5' उत्तर, 075°24.0° पूर्व)

घटना: एक कंटेनर में मामूली आग लगना

टिप्पणी: कोई चोट या पर्यावरणीय क्षति नहीं हुई; पोत के चालक दल द्वारा आग बुझा दी गई।

जलयान को निर्धारित पत्तन जेएनपीटी की ओर ले जाया गया और क्षतिग्रस्त कंटेनर को उतार दिया।

*****